IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, November 2025
Impact Factor: 7.67

"राजनीतिक चिंतन : डॉ. राममनोहर लोहिया"

शोध निर्देशक
डॉ. एस.पी शुक्ला
प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग
शास. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय,
रीवा (म.प्र.)

शोधार्थी
अशोक कोरी
एम.ए., राजनीति विज्ञान
शास. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय,
रीवा (म.प्र.)

शोध सारांश

राजनीतिक विचारधारा को डॉ. राममनोहर लोहिया के क्षेत्र में सभी सभ्यताओं में अपना प्रारम्भिक समय से ही विचार विमर्श किया है और राज्य में संबंधी मौलिक प्रश्नों को विचार विमर्श किया हैं सभी क्षेत्रों में रहने वाले राजनीतिक विचारधारा के लिए संसार बसा है। डॉ. लोहिया ने इतिहास को कठोरतापूर्वक बनाया जिसके बिना किसी भी भावना के चक्राकार ढंग से रहा। मार्क्स हेगेल और डॉ. लोहिया के द्वारा इतिहास के विकास की व्याख्या को समझकर उनको स्वीकार किया जिससे मार्क्स ने विभिन्न जातियों का उत्थान–पतन के कारण इतिहास के विभिन्न कालों में जातियों की समीचीन के कारण समझाये।

कुछ विचारक है जो पश्चिम में इस सिद्धांत को भी स्वीकार करते हैं। इन विचारकों के विचार से डॉ. लोहिया भी सहमत रहे। वह पतनशील हो सकता है जो देश उन्नति के चरम शिखर पर समय चक्र के दौरान है। वह इन परिस्थिति में है जो पतन अपनी उन्नति शिखर तक उन्नति कर ले और पहुँच जाए। इन राष्ट्रों का उत्थान–पतन डॉ. लोहिया के तहत सभ्यताओं का सदैव होता रहता है। प्रस्तुत शोध पत्र में उपरोक्त बिन्दुओं को समाहित करने का प्रयास है।

मुख्य शब्दः–राजनीतिक, विचारधारा, चिंतन, लोहिया, उन्नति, पतनशील, शिखर, क्षेत्र, साम्राज्य आदि।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-29764